विराट कोहली ने 60 गेंदों में नाबाद 105 रन की पारी खेली

Page-04

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

नेपोटिज्म पर बोले जुनैद खान

Page-05

मुख्यमंत्री पद की दौड़ में तीन बड़े नेताओं के नाम सामने आ रहे थे। इनमें वीडी सतीशन के अलावा केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला भी प्रमुख दावेदार माने जा रहे थे। चुनाव परिणाम के बाद केरल कांग्रेस अलग-अलग गुटों में बंटी दिखाई दी।एक धड़ा वीडी सतीशन के समर्थन में था, जिन्हें युवा और आक्रामक विपक्षी चेहरा माना जाता है, जबकि दूसरा गुट वेणुगोपाल और चेन्निथला के पक्ष में नजर आया।

केरल में कांग्रेस का बड़ा फैसला
वीडी सतीशन होंगे नए मुख्यमंत्री

- **केरल विधानसभा चुनाव में UDF गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 140 में से 102 सीटों पर जीत दर्ज की है।**
- **मुख्यमंत्री चयन को लेकर राज्य में पोस्टर वार भी देखने को मिला।**

कांग्रेस ने केरल में मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी सस्पेंस खत्म करते हुए वरिष्ठ नेता वी डी सतीशन को राज्य का नया मुख्यमंत्री घोषित कर दिया है। विधानसभा चुनाव परिणाम आने के करीब दस दिन बाद गुरुवार को पार्टी ने आधिकारिक तौर पर उनके नाम का ऐलान किया। 61 वर्षीय सतीशन पारावूर विधानसभा सीट से विधायक हैं और लंबे समय से केरल की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।कांग्रेस नेता दीपा दासमुंशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 7 मई को तिरुवनंतपुरम में पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक हुई थी। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा के बाद वीडी सतीशन के नाम पर सहमति बनी।मुख्यमंत्री पद की घोषणा के बाद सतीशन ने कहा कि वह इस जिम्मेदारी को निजी उपलब्धि नहीं बल्कि ईश्वर की कृपा मानते हैं। उन्होंने कहा कि वे पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं को साथ लेकर चलेंगे और राज्य के विकास के लिए मिलकर काम करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस विधायकों की बैठक में अधिकांश विधायक केसी वेणुगोपाल के समर्थन में बताए जा रहे थे। हालांकि बाद में पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और सहयोगी दलों ने वीडी सतीशन के पक्ष में समर्थन जताया। यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (UDF) के सहयोगी दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और केरल कांग्रेस (जोसेफ) ने भी खुलकर सतीशन का समर्थन किया।मुख्यमंत्री चयन को लेकर राज्य में पोस्टर वार भी देखने को मिला। सतीशन समर्थकों ने वायनाड में पोस्टर लगाकर हाईकमान से उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग की थी।

विजय सरकार जल्द जारी करेगी 1000 रुपये की मई किस्त

तमिलनाडु में जोसेफ विजय के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद महिलाओं के लिए बड़ी घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री विजय ने गुरुवार को ऐलान किया कि 'कलैगनार मगलिर उरीमाई थोगाई' योजना के तहत मई महीने की किस्त जल्द ही पात्र महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाएगी।सरकार के मुताबिक, इस योजना के अंतर्गत परिवार की महिला मुखिया को हर महीने 1000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राशि हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और लाभार्थियों को जल्द ही उनके खातों में पैसा मिल जाएगा।यह योजना पूर्व द्रमुक सरकार द्वारा शुरू की गई थी। इसका नाम पार्टी के दिवंगत नेता एम करुणानिधि के नाम पर रखा गया था। योजना के तहत आर्थिक सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती है।सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि योजना के पुनर्गठन के लिए कुछ समय की आवश्यकता है, लेकिन इसके बावजूद मई महीने की किस्त समय पर जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री विजय ने अधिकारियों को लाभार्थियों तक राशि जल्द पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा है।गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव के दौरान विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम ने महिलाओं को लेकर कई बड़े वादे किए थे। पार्टी ने चुनाव प्रचार के दौरान 60 वर्ष से कम आयु की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये की सहायता देने का वादा भी किया था।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला: सरकारी कर्मचारियों को हफ्ते में दो दिन वर्क फ्रॉम होम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचाने की अपील के बाद दिल्ली सरकार ने प्रदूषण कम करने और पेट्रोल-डीजल की खपत घटाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी के लिए नई कार्ययोजना की घोषणा करते हुए सरकारी दफ्तरों में कामकाज के तरीके में महत्वपूर्ण बदलाव का ऐलान किया है।नई व्यवस्था के तहत दिल्ली के सभी सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन 'वर्क फ्रॉम होम' की सुविधा दी जाएगी। सरकार का मानना है कि इससे सड़कों पर वाहनों की संख्या कम होगी, जिससे ईंधन की बचत के साथ-साथ राजधानी के बढ़ते वायु प्रदूषण पर भी नियंत्रण पाया जा सकेगा।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार केवल सरकारी विभागों तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि निजी क्षेत्र को भी इस अभियान का हिस्सा बनाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए जल्द ही निजी कंपनियों और कॉर्पोरेट संस्थानों से अपील की जाएगी कि वे भी अपने कर्मचारियों को सप्ताह में कम से कम दो दिन घर से काम करने की सुविधा दें। सरकार ने इस पहल के तहत 'मेरा भारत मेरा योगदान' नामक विशेष योजना भी शुरू की है। मुख्यमंत्री के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य ईंधन संरक्षण को जन आंदोलन बनाना और देश के संसाधनों को बचाने में लोगों की भागीदारी बढ़ाना है।रेखा गुप्ता ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने के लिए सरकार हर स्तर पर काम कर रही है। उनका मानना है कि यदि यह मॉडल सफल रहता है, तो भविष्य में अन्य राज्य भी इसे अपनाने पर विचार कर सकते हैं।दिल्ली सरकार के इस फैसले को पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू होती है, तो इससे ट्रैफिक जाम, प्रदूषण और ईंधन की खपत में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में होगा मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण

देशभर में मतदाता सूचियों को अधिक पारदर्शी और सटीक बनाने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के तीसरे चरण की घोषणा कर दी है। आयोग ने 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में चरणबद्ध तरीके से इस अभियान को चलाने के निर्देश जारी किए हैं। इस विशेष अभियान के तहत करीब 36.73 करोड़ मतदाताओं का घर-घर जाकर सत्यापन किया जाएगा। चुनाव आयोग का कहना है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित बनाना और पात्र मतदाताओं की सही जानकारी सुनिश्चित करना है।तीसरे चरण में ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, दादरा एवं नगर हवेली-दमन एवं दीव, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, तेलंगाना, पंजाब, कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली, नागालैंड और त्रिपुरा को शामिल किया गया है। आयोग के अनुसार यह कार्यक्रम जनगणना के तहत चल रहे हाउस लिस्टिंग अभियान के साथ समन्वय बनाकर तैयार किया गया है, ताकि दोनों प्रक्रियाओं में तालमेल बना रहे। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस तीसरे चरण के पूरा होने के बाद हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर पूरे देश में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इन क्षेत्रों में बर्फबारी और

जनगणना के दूसरे चरण को ध्यान में रखते हुए अलग कार्यक्रम बाद में जारी किया जाएगा। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, अलग-अलग राज्यों में यह प्रक्रिया मई से सितंबर 2026 के बीच पूरी की जाएगी। इसमें घर-घर सत्यापन, मतदान केंद्रों का पुनर्गठन, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन, दावे और आपत्तियां प्राप्त करना तथा अंतिम मतदाता सूची जारी करना शामिल होगा। सबसे पहले ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में 30 मई से 28 जून तक घर-घर सत्यापन अभियान चलाया जाएगा। इसके बाद 6 सितंबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। वहीं महाराष्ट्र, कर्नाटक, झारखंड, मेघालय और दिल्ली में यह प्रक्रिया जून के अंत से शुरू होकर 7 अक्टूबर 2026 तक पूरी की जाएगी। चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से हर मतदान केंद्र पर अपने BLA नियुक्त करने की अपील की है, ताकि प्रक्रिया पारदर्शी और सहभागी बन सके।

15 जून से शुरू होंगी जेवर एयरपोर्ट की उड़ानें

योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को घोषणा की कि नोएडा के जेवर स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आगामी 15 जून से उड़ान सेवाएं शुरू हो जाएंगी। मुख्यमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश के विकास और बदलती तस्वीर का बड़ा प्रतीक बताते हुए कहा कि जो क्षेत्र कभी अपराध के लिए बदनाम था, वह आज वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में उभर रहा है।'उत्तर प्रदेश के बदलाव के नौ वर्ष' विषय पर आयोजित सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनने जा रहा है और इसकी शुरुआत प्रदेश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि 15 जून से यहां से नियमित उड़ान सेवाएं शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। हाल ही में विमानन कंपनियों इंडिगो और अकासा एयर ने भी जेवर एयरपोर्ट से अपनी उड़ानों के संचालन की घोषणा की है। इससे उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी के क्षेत्र में बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 से पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय उत्तर प्रदेश दंगों, अपराध, अराजकता और भ्रष्टाचार के कारण "बीमारू राज्य" की छवि में फंसा हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौर में व्यापारियों का पलायन, किसानों की आत्महत्या और पारंपरिक उद्योगों का पतन आम बात हो गई थी। उन्होंने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये राज्य में तेजी से हो रहे बदलाव और विकास की स्पष्ट मिसाल हैं।

अन्नाद्रमुक पर संकट गहराया, कमजोर हुई पलानीस्वामी की पकड़

तमिलनाडु की राजनीति में इस बार विधानसभा चुनाव के बाद बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा हो गया है। कभी राज्य की सबसे मजबूत क्षेत्रीय पार्टियों में गिनी जाने वाली अन्नाद्रमुक अब अंदरूनी कलह, नेतृत्व संकट और टूट की आशंकाओं से जूझती दिखाई दे रही है। चुनाव परिणाम आने के बाद पार्टी के भीतर तेज हुई बगावत ने पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पडी पलानीस्वामी की स्थिति को कमजोर कर दिया है।12 मई को पलानीस्वामी का जन्मदिन था, लेकिन यह दिन उनके लिए राजनीतिक संकट लेकर आया। अन्नाद्रमुक विधायक दल के करीब तीस विधायकों ने एसपी वेलुमणि और सीवी शण्मुगम के नेतृत्व वाले गुट का समर्थन करते हुए पलानीस्वामी के नाम का विरोध कर दिया। इसके बाद इस गुट ने अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम प्रमुख जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने का ऐलान कर दिया।विधानसभा में पलानीस्वामी और वेलुमणि को अलग-अलग पंक्तियों में सीटें दिए जाने को भी पार्टी में स्पष्ट विभाजन का संकेत माना जा रहा है। हालांकि पलानीस्वामी कुछ विधायकों को वापस अपने पक्ष में लाने में सफल रहे, लेकिन स्थिति पूरी तरह उनके नियंत्रण में नहीं दिखी।विधानसभा में हुए मतदान के दौरान 25 विधायकों ने विजय समर्थित सरकार के पक्ष में मतदान किया, जबकि केवल 22 विधायक टीवीके सरकार के विरोध में रहे। इससे यह स्पष्ट संकेत मिला कि विधायक दल पर पलानीस्वामी की पकड़ कमजोर पड़ चुकी है और पार्टी के भीतर उनका बहुमत घटता जा रहा है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह असंतोष केवल विधायक दल तक सीमित नहीं रहेगा। पार्टी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं के बीच लगातार चुनावी हार को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। वर्ष 2019 के बाद यह अन्नाद्रमुक की चौथी बड़ी चुनावी हार मानी जा रही है। पार्टी के अंदर अब यह आवाज तेज हो रही है कि पलानीस्वामी के नेतृत्व में संगठन लगातार कमजोर हुआ है और पार्टी को नए नेतृत्व की जरूरत है।पलानीस्वामी पर यह आरोप भी लगाया जा रहा है कि उन्होंने व्यक्तिगत राजनीतिक महत्वाकांक्षा को पार्टी की मूल विचारधारा से ऊपर रखा। चुनाव परिणामों के बाद उन्होंने कथित तौर पर द्रमुक के बाहरी समर्थन से सरकार बनाने की कोशिश की थी। बागी नेताओं का कहना है कि यह कदम पार्टी संस्थापक एमजी रामचंद्रन और पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता की राजनीतिक विचारधारा के खिलाफ था, जिन्होंने हमेशा द्रमुक को अपना मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माना था।पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच भी यह संदेश गया कि सत्ता हासिल करने के लिए अन्नाद्रमुक अपनी पारंपरिक राजनीतिक लाइन से समझौता करने को तैयार हो गई है। यही कारण है कि अब पार्टी के भीतर नेतृत्व परिवर्तन और बड़े संगठनात्मक बदलाव की मांग तेज होती जा रही है।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

शी जिनपिंग बोले- बढ़ सकता है टकराव

ताइवान मुद्दे पर चीन की अमेरिका को दोटूक चेतावनी

ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव एक बार फिर खुलकर सामने आ गया है।चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान मुद्दे पर गलत कदम दोनों देशों को संघर्ष की ओर धकेल सकता है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका और चीन के बीच ताइवान को लेकर तनाव एक बार फिर खुलकर सामने आया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को साफ चेतावनी दी है कि अगर ताइवान के मुद्दे को सही तरीके से नहीं संभाला गया, तो दोनों देशों के बीच टकराव और यहां तक कि संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। चीनी सरकारी मीडिया शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में हुई बैठक के दौरान शी जिनपिंग ने कहा कि ताइवान का मुद्दा चीन-अमेरिका संबंधों की सबसे संवेदनशील और अहम कड़ी है। उन्होंने कहा कि अगर इस मुद्दे को सावधानी और समझदारी से संभाला गया, तो दोनों देशों के रिश्तों में स्थिरता बनी रह सकती है। लेकिन अगर इसमें दखल बढ़ा या गलत कदम उठाए गए, तो इससे पूरे द्विपक्षीय संबंध खतरे में पड़ सकते हैं। शी जिनपिंग ने कहा कि अगर ताइवान के सवाल को ठीक से संभाला गया, तो चीन और अमेरिका के संबंध स्थिर रहेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ तो टकराव और संघर्ष की आशंका बढ़ सकती है। जब पत्रकारों ने शी जिनपिंग के साथ हुई बातचीत के बारे में पूछा, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि शानदार। लेकिन उन्होंने बस इतना ही कहा। उनसे यह भी पूछा गया कि क्या उन्होंने ताइवान के बारे में चर्चा की थी। ट्रम्प ने शी जिनपिंग के साथ स्वर्ग मंदिर पहुंचने के बाद तस्वीरें खिंचवाते समय कोई जवाब नहीं दिया। बता दें कि, ट्रंप के चीन पहुंचने से पहले अमेरिका में स्थित चीन के दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी कर अमेरिका को चेतावनी दी थी। चीन ने कहा कि अमेरिका-चीन संबंधों में 'चार लाल रेखाएं' हैं, जिन्हें चुनौती नहीं दी जानी चाहिए। चीन ने जिन चार मुद्दों को सबसे संवेदनशील बताया, उनमें ताइवान का सवाल, लोकतंत्र और मानवाधिकार, दोनों देशों की राजनीतिक व्यवस्था और चीन के विकास का अधिकार शामिल हैं। चीन ने साफ संकेत दिया कि इन मुद्दों पर किसी भी तरह का दबाव या हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जाएगा। ताइवान लंबे समय से वॉशिंगटन और बीजिंग के बीच सबसे बड़ा विवाद बना हुआ है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका ताइवान को सैन्य और राजनीतिक समर्थन देता रहा है। यही वजह है कि यह मुद्दा दोनों महाशक्तियों के बीच तनाव का प्रमुख कारण बना हुआ है। इस अहम चेतावनी के बीच ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक ऐसे समय हुई है जब अमेरिका और चीन के रिश्तों में व्यापार, तकनीक, टैरिफ, इंडो-पैसिफिक रणनीति और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों को लेकर पहले से तनाव बना हुआ है।

भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ी सख्ती से लोगों की मुश्किलें बढ़ीं

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भारत-नेपाल सीमा पर हाल के दिनों में तनाव बढ़ता दिखाई दे रहा है। वर्षों से दोनों देशों के बीच बेटी-रोटी का रिश्ता रहा है, लेकिन नेपाल सरकार के कुछ नए फैसलों ने सीमा से जुड़े इलाकों में रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ताजा मामला भारतीय वाहनों पर लागू की गई सख्ती का है। नेपाल सरकार ने भारतीय नंबर की गाड़ियों के लिए नियम कड़े कर दिए हैं। अब कोई भी भारतीय वाहन नेपाल में एक कैलेंडर वर्ष के दौरान कुल 30 दिन ही रह सकेगा। यह अवधि लगातार या अलग-अलग हिस्सों में हो सकती है, लेकिन 30 दिन से अधिक रुकने पर जुर्माना लगाया जाएगा। भारत के भारतीय दूतावास काठमांडू की हालिया सूचना के अनुसार, भारतीय पंजीकृत वाहन नेपाल में एक साल में कुल 30 दिन ही रह सकते हैं। इसके साथ ही नेपाल में प्रवेश करने से पहले भारतीय वाहनों के लिए भंसार यानी कस्टम परमिट लेना भी अनिवार्य कर दिया गया है। दोपहिया वाहनों के लिए प्रतिदिन 100 नेपाली रुपये, तीन पहिया के लिए 400 नेपाली रुपये और चार पहिया वाहनों के लिए 600 नेपाली रुपये शुल्क तय किया गया है। नेपाल सरकार का कहना है कि यह नया नियम नहीं है, बल्कि पुराने कानूनों को सख्ती से लागू किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, बिना अनुमति वाहनों की बढ़ती आवाजाही से टैक्स चोरी और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां बढ़ रही थीं। हालांकि सीमा से जुड़े इलाकों में इसका असर सबसे ज्यादा आम लोगों पर पड़ रहा है। इन क्षेत्रों के लोग रोजमर्रा की जरूरतों, छोटे व्यापार, रिश्तेदारी, शादी-ब्याह और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए वर्षों से आसानी से दोनों देशों के बीच आवाजाही करते रहे हैं। अब नई व्यवस्था के कारण यह सब कठिन हो गया है।

पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाके के बाद भीषण आग लग गई

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मध्य प्रदेश के देवास जिले में स्थित टोंककला के पास एबी रोड पर स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में गुरुवार को एक भीषण विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया है। बताया जा रहा है कि, अचानक लगी आग के बाद एक के बाद एक जोरदार धमाके होने लगे, जिससे आसपास कई किलोमीटर तक कंपन महसूस किया गया। हादसे में अबतक तीन मजदूरों की मौत भी हो गई है, जबकि 27 से ज्यादा मजदूर झुलस गए है। विस्फोट इतना तेज था कि, फैक्ट्री का मलबा और शव सड़क तक जा पहुंचे। प्रशासन ने राहत-बचाव कार्य शुरू कर जांच के आदेश दिए हैं। हादसे में अब तक तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि हुई है। बताया जा रहा है कि, 27 घायलों को अबतक जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। इनमें से 3 की मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि, 15 को बेहद गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया है। कई घायलों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है, ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका बनी हुई है। बाकी सामान्य झुलसे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि, धमाके इतने शक्तिशाली थे कि, फैक्ट्री का टीन शेड हवा में उड़कर कई मीटर दूर स्थित एबी रोड पर आ गिरे। इस दौरान सड़क पर दूर-दूर तक फैक्ट्री के मलबे के साथ कुछ शवों के टुकड़े तक पड़े दिखाई दिये, जिससे घटनास्थल पर अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। घटना के बाद से फैक्ट्री परिसर से लगातार काले धुएं का गुबार उठता नजर आ रहा है। आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर जमा हो गए, लेकिन लगातार हो रहे धमाकों के कारण कोई भी फैक्ट्री के करीब जाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा। बताया जा रहा है कि, फैक्ट्री में भारी मात्रा में बारूद और तैयार पटाखे रखे थे, जिसके चलते चंद मिनटों में ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

डीएमके गठबंधन कमजोर नहीं हुआ- डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने गुरुवार को एक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव भले ही जीत नहीं मिली है, लेकिन डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन कमजोर नहीं हुआ है। आगे उन्होंने कहा 1.54 करोड़ वोट हासिल करने की क्षमता तमिलनाडु की जनता के गठबंधन पर रखे गए भरोसे को दर्शाती है। चुनाव परिणामों के बाद अधिकांश सहयोगी दलों ने खुले तौर पर कहा है कि वे अपनी गठबंधन बदले बिना डीएमके के साथ ही अपना राजनीतिक सफर जारी रखेंगे। स्टालिन ने कहा, 'यह डीएमके के प्रति सहयोगी दलों के नेताओं की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां एक बयान में कहा 'इसी के अनुरूप, हम सिद्धांतवादी राजनीतिक दलों के रूप में एकजुट होकर जनता के कल्याण और राज्य के गठन के लिए हमेशा की तरह अपना सफर जारी रखेंगे। तमिलनाडु की रक्षा करने की शक्ति और जुझारूपन हमारे भीतर ही है।' आगे उन्होंने कहा हालांकि डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन ने तमिलनाडु को प्रगति के रास्ते पर आगे ले जाने और राज्य के अधिकारों के हनन को रोकने के लिए मिलकर काम किया, फिर भी हाल ही में हुए चुनावों में उसे पूर्ण विजय प्राप्त नहीं हो सकी। स्टालिन ने कहा, 'हमारी ताकत में कोई कमी नहीं आई। हमने 1.54 करोड़ वोट और कुल 72 सीटें जीतीं। यह तमिलनाडु की जनता के हम पर रखे गए भरोसे को दर्शाता है।'

एस जयशंकर ने सैयद अब्बास अराघची का स्वागत किया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची का हाथ मिलाकर और संक्षिप्त बातचीत करके स्वागत किया। अराघची बुधवार को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे, मुख्य रूप से दो दिवसीय ब्रिक्स बैठक में भाग लेने के लिए। यह दौरा दो महीने से अधिक समय पहले ईरान के खिलाफ शुरू किए गए अमेरिका-इजराइल युद्ध शुरू होने के बाद से भारत के साथ तेहरान की पहली उच्च स्तरीय राजनयिक बैठक है। ईरान के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता करने वाले हैं, जिसमें ईरान, संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल के बीच चल रहे संघर्ष के बीच पश्चिम एशिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चर्चा केंद्रित होने की उम्मीद है। रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर वार्ता में प्रमुखता से चर्चा होने की संभावना है। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, भारत इस संकरे जलमार्ग से व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को लेकर चिंता व्यक्त कर सकता है, जो वैश्विक कच्चे तेल और एलएनजी आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से, तेहरान ने संघर्ष के दौरान नई दिल्ली के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने के प्रयास में जयशंकर के साथ अराघची की कई बार फोन पर बातचीत की है। अराघची और अन्य ब्रिक्स विदेश मंत्री भी सम्मेलन से संबंधित उच्च स्तरीय राजनयिक मुलाकातों के तहत गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मतभेदों के कारण कोई संयुक्त रुख तय नहीं किया जा सका, जिन्होंने हाल के हफ्तों में यूएई में ऊर्जा अवसंरचना पर कथित ईरानी हमलों को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं। बैठक से पहले, ईरान के उप विदेश मंत्री काज़ेम ग़रीबाबादी ने ब्रिक्स के प्रति तेहरान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, वैश्विक दक्षिण सहयोग, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शासन में सुधार, स्वतंत्र व्यापार तंत्र के विस्तार और वित्तीय एवं बैंकिंग संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा का आह्वान किया।

संपादक की कलम से

लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित व्यवस्था नहीं है। इसकी असली ताकत जनता के उस भरोसे में छिपी होती है कि उसका मत स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रभावी है। जब चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, तब मामला केवल किसी दल की जीत या हार का नहीं रहता, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता भी बहस के केंद्र में आ जाती है। हाल के दिनों में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे आरोपों ने इसी चिंता को फिर सामने ला दिया है। यह कहा जा रहा है कि कई बार केवल कुछ सीटों का परिणाम ही नहीं, बल्कि पूरी सत्ता का स्वरूप भी चुनावी प्रक्रियाओं से प्रभावित हो सकता है। मतदाता सूचियों में गड़बड़ी, मतदान के दौरान कथित अनियमितताएं और संस्थागत निष्पक्षता पर उठते सवाल लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत हैं। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि उसका मत पूरी ईमानदारी से दर्ज नहीं हो रहा, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव कमजोर पड़ने लगती है। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक प्रयोग माना जाता है। करोड़ों मतदाता हर चुनाव में उत्साह से भाग लेते हैं और इसी भागीदारी से लोकतंत्र को शक्ति मिलती है। लेकिन यही शक्ति तब कमज़ोर होने लगती है जब चुनावी प्रक्रिया को लेकर संदेह पैदा होता है। संदेह चाहे वास्तविक हो या केवल राजनीतिक विवाद का हिस्सा, उसका असर आम नागरिक के मन पर पड़ता है। मतदाता के मन में यदि यह सवाल पैदा हो जाए कि उसका मत सही अर्थों में गिना भी जाएगा या नहीं, तो यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर मानी जाएगी।यह भी सच है कि चुनावी हार के बाद आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कोई नई बात नहीं है। लंबे समय से यह प्रवृत्ति देखी जाती रही है कि जब परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं आते, तो चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठने लगते हैं। लेकिन लोकतंत्र में केवल आरोप पर्याप्त नहीं होते। यदि किसी को चुनावी अनियमितताओं पर संदेह है, तो उसके समर्थन में प्रमाण और तथ्य भी सामने आने चाहिए। बिना ठोस आधार के लगाए गए आरोप केवल राजनीतिक वातावरण को और अधिक अविश्वास से भरते हैं। दूसरी ओर, चुनाव कराने वाली संस्थाओं की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। केवल निष्पक्ष होना पर्याप्त नहीं, बल्कि जनता के सामने निष्पक्ष दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है। मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया, मतगणना और परिणामों की घोषणा तक हर स्तर पर अधिक पारदर्शिता समय की मांग है। यदि कहीं भी शंका की गुंजाइश रह जाती है, तो उसे दूर करने के लिए संस्थाओं को तत्परता से सामने आना चाहिए। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास है। यह विश्वास टूटने लगे तो चुनाव केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को सुरक्षित रखा जाए। लोकतंत्र तभी मजबूत रहेगा जब आम नागरिक को यह भरोसा होगा कि उसका मत किसी भी परिस्थिति में उसकी आवाज़ बनकर सामने आएगा। यही भरोसा लोकतंत्र की असली नींव है और इसकी रक्षा करना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

हरियाणा निकाय चुनाव में भाजपा का परचम
सात में छह प्रमुख सीटों पर दर्ज की बड़ी जीत

हरियाणा नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात में से छह प्रमुख सीटों पर जीत हासिल की है। अंबाला, पंचकूला और सोनीपत नगर निगमों में भाजपा ने महापौर पद पर कब्जा जमाकर अपनी मजबूत राजनीतिक पकड़ का संकेत दिया। इन नतीजों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व और भाजपा संगठन की मजबूत रणनीति की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तीन राज्यों में शानदार जीत हासिल करने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा नगर निकाय चुनावों में भी जोरदार प्रदर्शन करते हुए राज्य की राजनीति में अपनी मजबूत स्थिति एक बार फिर साबित कर दी है। दस मई को हुए मतदान के बाद बुधवार को घोषित परिणामों में पार्टी ने छह जिलों की सात प्रमुख सीटों में से छह पर जीत दर्ज की। इस जीत को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व और संगठन की मजबूत रणनीति की बड़ी सफलता माना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने अंबाला, पंचकूला और सोनीपत नगर निगमों में महापौर पद पर शानदार जीत हासिल की। अंबाला में पार्टी उम्मीदवार अक्षिता सैनी ने भारी मतों से विजय प्राप्त की। यहां बीस वार्डों में से सोलह पर भाजपा ने कब्जा जमाया, जबकि कांग्रेस को केवल तीन सीटें मिलीं और एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई। पंचकूला में भी भाजपा का दबदबा देखने को मिला, जहां श्याम लाल बंसल ने महापौर पद जीता। बीस वार्डों में भाजपा ने सत्रह सीटों पर विजय हासिल की, जबकि कांग्रेस केवल एक सीट जीत सकी और दो सीटें निर्दलीयों के खाते में गईं। सोनीपत में भाजपा उम्मीदवार राजीव जैन ने महापौर पद पर जीत दर्ज कर पार्टी की स्थिति और मजबूत कर दी। हालांकि यहां वार्ड चुनावों में कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बाईस में से सत्रह वार्ड जीत लिए, जबकि भाजपा को पांच वार्डों पर संतोष करना पड़ा। इसके बावजूद महापौर पद पर भाजपा की जीत को राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रेवाड़ी नगर परिषद में भाजपा उम्मीदवार वनीता पीपल ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। हालांकि यहां वार्ड स्तर पर निर्दलीय उम्मीदवारों का दबदबा रहा और बत्तीस में से बीस वार्डों पर निर्दलीयों ने जीत दर्ज की। भाजपा को ग्यारह वार्ड मिले जबकि कांग्रेस केवल एक वार्ड जीत सकी। धारूहेड़ा नगरपालिका में भी भाजपा उम्मीदवार सत्यनारायण उर्फ अजय जांगड़ा ने शानदार जीत हासिल की। उन्होंने नौ हजार तीन सौ बानवे मत प्राप्त किए जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी बाबूलाल लांबा को तीन हजार एक सौ छप्पन मत मिले। यहां अध्यक्ष पद भाजपा ने जीता, लेकिन सभी अठारह वार्ड निर्दलीयों के खाते में गए। उधर, इन चुनाव परिणामों को भारतीय जनता पार्टी के लिए बड़ी राजनीतिक उपलब्धि माना जा रहा है, विशेष रूप से उस समय जब हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में पार्टी को एक सीट का नुकसान उठाना पड़ा था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा की आक्रामक चुनावी रणनीति, बूथ स्तर तक मजबूत संगठन और कार्यकर्ताओं की सक्रियता ने इस जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पार्टी ने कई क्षेत्रों में लगभग नब्बे प्रतिशत वार्ड सीटों पर जीत दर्ज कर विपक्ष को काफी पीछे छोड़ दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हरियाणा की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत विकास और सुशासन की नीतियों पर जनता के भरोसे का प्रमाण है। उन्होंने इसे राज्य की दोहरे इंजन वाली सरकार पर जनता के विश्वास का प्रतीक बताया और जीत के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह परिणाम जनता के विश्वास और जनकल्याणकारी नीतियों की जीत है। उधर, कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने पिछले चुनावों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है और उसे अच्छा जनसमर्थन मिला है।

ममता बनर्जी वकील की ड्रेस पहनकर कलकत्ता उच्च न्यायालय में पेश हुईं

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार को काले रंग के वकील के गाउन में कलकत्ता उच्च न्यायालय में पेश हुईं। यह मामला विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की करारी हार के बाद राज्य में हुई हिंसा से संबंधित है। वरिष्ठ टीएमसी नेता और अधिवक्ता कल्याण बंदोपाध्याय के पुत्र शिरशन्या बंदोपाध्याय द्वारा दायर यह मामला राजनीतिक कार्यकर्ताओं और पार्टी कार्यालयों पर हुए हमलों से संबंधित है। ये हमले उन महत्वपूर्ण चुनावों के बाद हुए थे, जिन्होंने पार्टी के 15 साल के शासन को समाप्त कर दिया और भाजपा को राज्य में सत्ता में लाया। एक्स पर एक पोस्ट में टीएमसी ने कहा कि आज अदालत में उनकी शारीरिक उपस्थिति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है, और कहा कि "वह बंगाल के लोगों को उनकी जरूरत के समय कभी नहीं छोड़ती हैं" और सत्य, न्याय और संवैधानिक मूल्यों के लिए अपनी लड़ाई में प्रतिबद्ध हैं। इसमें आगे कहा गया है कि वह लगातार नफरत की राजनीति से ऊपर उठकर करुणा, साहस और दृढ़ विश्वास का प्रदर्शन करती हैं। इसमें यह भी कहा गया है, चाहे एसआईआर के अन्याय का सामना करना हो या भाजपा के अनियंत्रित आचरण के खिलाफ मजबूती से खड़े रहना हो, वह लगातार यह साबित करती हैं कि आज देश में उनके जैसी कोई नेता नहीं है। यह मामला, जिस पर अभी भी न्यायिक विचार चल रहा है, टीएमसी के लिए राजनीतिक रूप से उथल-पुथल भरे समय में सामने आया है। ऐतिहासिक हार के बाद पार्टी आंतरिक कलह और बढ़ती आलोचनाओं का सामना कर रही है। 4 मई को परिणाम घोषित होने के बाद से, राज्य के कई जिलों में राजनीतिक हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें झड़पें, तोड़फोड़, बम हमले और जवाबी हमले शामिल हैं। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों ही इस अशांति के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रही हैं। सबसे चर्चित घटनाओं में से एक में, मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की 6 मई को अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जिससे राज्य में तनावपूर्ण स्थिति और भी बढ़ गई।

शुभेन्दु सरकार का बड़ा फैसला
राज्य के सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम' अनिवार्य

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए राज्य के सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम' का गायन अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से सभी शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों को नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस में कहा गया है कि सोमवार से कक्षाएं शुरू होने से पहले 'वंदे मातरम्' का गायन अनिवार्य रूप से कराया जाए, ताकि इसे सभी स्कूलों की प्रार्थना सभा में शामिल किया जा सके। इस नए निर्देश के बाद स्कूलों में असमंजस की स्थिति बन गई है, क्योंकि पिछली सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों में सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान राज्य गीत 'बांग्लार माटी, बांग्लार जल' को गाना अनिवार्य किया था। हालांकि, नए नोटिस में राज्य गीत का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। ऐसे में स्थिति स्पष्ट नहीं है, क्योंकि बच्चों के लिए सुबह की प्रार्थना सभा में एक से अधिक गीत गाना व्यावहारिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। सांपला नगरपालिका में भाजपा ने कांग्रेस के मजबूत गढ़ माने जाने वाले क्षेत्र में अध्यक्ष पद जीतकर राजनीतिक हलकों को चौंका दिया। यहां सोलह वार्डों में भाजपा को छह सीटें मिलीं जबकि शेष दस सीटें निर्दलीयों ने जीतीं। उकलाना नगरपालिका में कांग्रेस समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार ने अध्यक्ष पद पर विजय प्राप्त की। यहां सभी सोलह वार्ड निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीते। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार नगर निगमों, नगर परिषदों और नगरपालिकाओं के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। पूरे राज्य में लगभग 54.5 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। कुल आठ लाख तिहत्तर हजार एक सौ सतहत्तर मतदाताओं में से लगभग चार लाख पचहत्तर हजार नौ सौ अड़तालीस मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया मतदान प्रतिशत की बात करें तो रोहतक में सबसे अधिक उन्यासी दशमलव दो प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यहां पंद्रह हजार छह सौ चौबीस मतदाताओं में से लगभग बारह हजार तीन सौ बहत्तर लोगों ने मतदान किया। हिसार जिले के उकलाना क्षेत्र में पचहत्तर दशमलव पांच प्रतिशत मतदान हुआ था जबकि रेवाड़ी में छियासठ दशमलव एक प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया था।

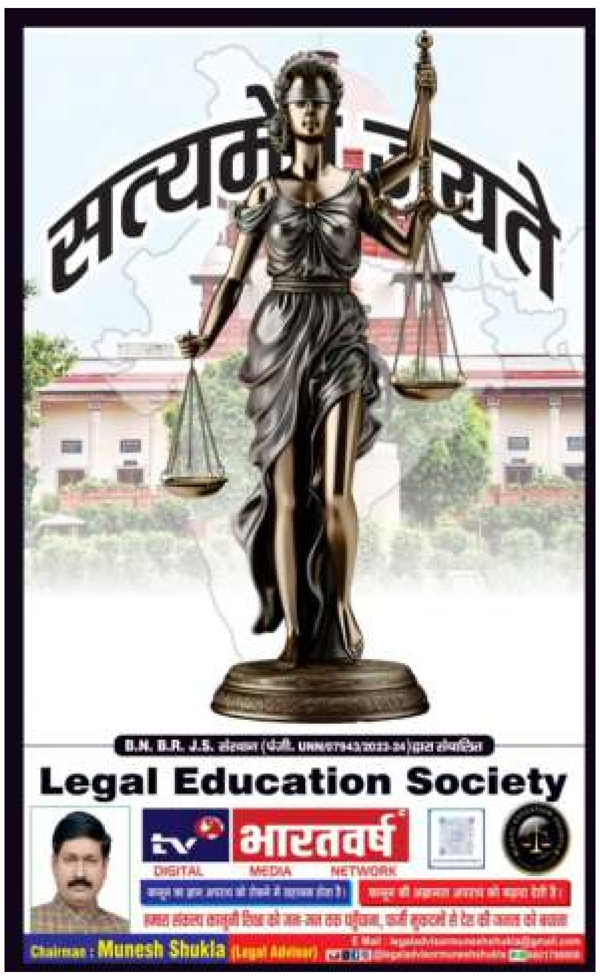

नीट यूजी 2026 पेपर लीक विवाद

कहां छपते हैं परीक्षा के पेपर और कैसे होती है सुरक्षा?

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 एक बार फिर विवादों में है. परीक्षा से पहले कथित पेपर लीक की खबरें और कई राज्यों में संदिग्ध गतिविधियों के सामने आने के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया है. इस पूरे मामले में लाखों छात्रों और अभिभावकों के मन में एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद नीट जैसी हाई प्रोफाइल परीक्षा के पेपर लीक कैसे हो जाते हैं और इन्हें आखिर कहां छापा जाता है. ऐसे में चलिए आज हम आपको बताते हैं कि नीट जैसी परीक्षाओं के पेपर कहां छापे जाते हैं और वहां से पेपर कैसे लीक हो जाते हैं . नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा का प्रश्न पत्र तैयार करना बहुत गोपनीय प्रक्रिया मानी जाती है. इसके लिए एनटीए देश भर के वरिष्ठ प्रोफेसर, साइंटिस्ट और सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स की एक गुप्त टीम बनता है. यह सभी एक्सपर्ट्स सख्त गोपनीय नियमों के तहत काम करते हैं. पूरा पेपर एनसीईआरटी सिलेबस के आधार पर तैयार किया जाता है. पहले हजारों सवालों का एक बड़ा क्वेश्चन बैंक बनाया जाता है, जिसमें आसान, मीडियम और कठिन स्तर के प्रश्न शामिल रहते हैं. इसके बाद एक्सपर्ट टीम अंतिम प्रश्नों का चयन करती है, ताकि परीक्षा में संतुलन बना रहे. आमतौर पर करीब 30 प्रतिशत सवाल

बेसिक थ्योरी और फार्मूला पर आधारित होते हैं. लगभग 50 प्रतिशत प्रश्न कॉन्सेप्ट और एप्लीकेशन आधारित रखे जाते हैं, जबकि 20 प्रतिशत सवाल कठिन और विश्लेषणात्मक स्तर के होते हैं. प्रश्न पत्र तैयार होने के बाद उसे हाई सिक्योरिटी प्रिंटिंग प्रेस में भेजा जाता है. एनटीए केवल उन्हीं प्रिंटिंग प्रेस को यह जिम्मेदारी देता है जो सुरक्षा ऑडिट और तकनीक जांच में पास होते हैं. पेपर छपाई वाले परिसर को पूरी तरह नो नेटवर्क जॉन बनाया जाता है. यहां मोबाइल फोन, कैमरा और किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की अनुमति नहीं होती है | प्रिंटिंग एरिया में जेमर्स लगाए जाते हैं ताकि कोई भी वायरलेस कम्युनिकेशन संभव न हो सके. प्रेस के हर हिस्से में 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी रहती है और इसका बैकअप लंबे समय तक सुरक्षित रखा जाता है. हर गेट पर सुरक्षा गार्ड तैनात रहते हैं और किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर पूरी तरह रोक होती है. नीट जैसे बड़े एग्जाम के प्रश्न पत्र की सुरक्षा के लिए कई हाईटेक तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है. हर प्रश्न पत्र पर एक यूनिक कोड या वाटर मार्क लगाया जाता है. इससे किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में यह पता लगाया जा सकता है कि पेपर किस सेंटर या कमरे से बाहर आया है. प्रश्न पत्र को सील करने के बाद जीपीएस ट्रैकिंग वाले वाहनों से स्ट्रांग रुम और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाता है. हर मूवमेंट रिकॉर्ड होते हैं. पेपर रखने वाले बॉक्स, डिजिटल लॉक से बंद रहते हैं. इन्हें केवल तय समय पर ओटीपी और अधिकृत अधिकारियों की मौजूदगी में ही खोला जा सकता है. अगर सफाई के दौरान कोई कॉपी खराब हो जाती है तो उसे तुरंत नष्ट कर दिया जाता है, ताकि उसका दुरुपयोग न हो सके. इतनी सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद पेपर लीक के आरोप सामने आने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर सेंध कहां लगी है. जांच एजेंसियों के शुरुआती अनुमान के अनुसार गड़बड़ी प्रिंटिंग प्रेस, पेपर सेटिंग प्रक्रिया या ट्रांसपोर्टेशन के किसी चरण में हुई हो सकती है. कुछ रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कथित गैस पेपर परीक्षा से कई दिन पहले कुछ लोगों तक पहुंच चुका था.

मेडिकल की पढ़ाई में सबसे अच्छा देश?

मेडिकल यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए आयोजित होने वाली एंट्रेंस एग्जाम परीक्षा नीट 2026 इस समय विवादों में चल रही है. दरअसल नीट पेपर लीक होने के बाद एनटीए ने परीक्षा को रद्द कर दिया है. वहीं एनटीए परीक्षा रद्द करने के साथ यह घोषणा भी की है कि नीट 2026 की परीक्षा फिर से कराई जाएगी. इसी के साथ सभी छात्रों की फीस लौटाने की घोषणा भी की गई है. वहीं सीबीआई पेपर लीक मामले की जांच कर रही है. आपको बता दें कि नीट की परीक्षा पास कर लाखों छात्र डॉक्टर बनने का सपना देखते हैं. लेकिन सीटों और हाईटेक कट ऑफ के कारण बड़ी संख्या में छात्रों को सरकारी मेडिकल कॉलेज नहीं मिल पाते हैं. ऐसे में कई छात्र प्राइवेट मेडिकल कॉलेज की महंगी फीस से बचने के लिए विदेश में एमबीबीएस करने का ऑप्शन चुनते हैं. ऐसे में चलिए आज हम आपको बताते हैं कि मेडिकल की पढ़ाई के लिए सबसे अच्छा देश कौन सा है और वहां इसके एग्जाम कैसे होते हैं. मेडिकल पढ़ाई के लिए सबसे अच्छा देश छात्र के बजट, करियर प्लान, भाषा और फ्यूचर की तैयारी पर निर्भर करता है. जो छात्र कम खर्च में पढ़ाई करना चाहते हैं उनके लिए रूस, फिलीपींस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान ऑप्शन हो सकते हैं. ग्लोबल करियर को ध्यान में रखने वाले छात्र ब्रिटेन, अमेरिका, जर्मनी या ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों को प्राथमिकता देते हैं. रूस लंबे समय से भारतीय छात्रों के बीच एमबीबीएस के लिए लोकप्रिय देश रहा है. यहां मेडिकल कोर्स आम तौर पर 6 साल का होता है. कई यूनिवर्सिटी इंग्लिश मीडियम में पढ़ाई करवाती है और भारतीय छात्रों की संख्या भी काफी ज्यादा है. रूस में एमबीबीएस की कुल लागत 25 से 45 लाख रुपये तक मानी जाती है. यहां की कई यूनिवर्सिटी डब्ल्यूएचओ और एनएमसी की मान्यता प्राप्त है. पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्रों को भारत में एफएमजीई नीट परीक्षा पास करनी होती है.

अंशुल कंबोज अपने हमशक्ल से मिले

फैंस को यह वीडियो खूब पसंद आ रहा

विराट कोहली ने 60 गेंदों में नाबाद 105 रन की पारी खेली

आईपीएल 2026 के 57वें मुकाबले में केकेआर को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। रायपुर के शहीद वीर नारायण इंटरनेशनल स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 193 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। इस हार के बाद केकेआर के अंतिम चार में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है, वहीं विराट कोहली की आरसीबी ने लगभग प्लेऑफ में एक कदम रख दिया है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस मुकाबले में कई गलतियां कीं, लेकिन इस दौरान छोड़े गए दो कैच सबसे ज्यादा भारी पड़े और उन्हीं बल्लेबाजों ने टीम से मैच भी छीन लिया। आपको बता दें कि आरसीबी के लिए देवदत्त पडिक्कल और विराट कोहली ने सबसे ज्यादा रन बनाए और दोनों के बीच हुई साझेदारी ने केकेआर की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। विराट कोहली इस मुकाबले में 60 गेंदों में 105 रन बनाकर नाबाद रहे, जिसमें 11 चौके और तीन छक्के शामिल थे। वहीं देवदत्त पडिक्कल ने 27 गेंदों में सात चौकों की मदद से 39 रन बनाए। 193 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को चौथे ओवर में पहला झटका लगा, जब जैकब बेथेल कार्तिक त्यागी की गेंद

पर उन्हीं को कैच देकर पवेलियन लौट गए। लेकिन इसके बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल के बीच 92 रनों की साझेदारी हुई और यही साझेदारी केकेआर पर इतनी भारी पड़ी कि वह मुकाबला हार गई। हार के बाद अजिंक्य रहाणे ने बताया कि उनकी टीम किस वजह से हारी। रहाणे ने कहा कि 190 का स्कोर इस पिच पर अच्छा था। केकेआर के बल्लेबाजों ने जिस तरह बल्लेबाजी की, उससे उन्हें भी लगा कि यह स्कोर ठीक है। हालांकि टी20 मुकाबलों में 10-15 रन इधर-उधर हो सकते हैं।

हॉकी इंडिया पर आरोप

शानदार प्रदर्शन के बावजूद पद छीना जा रहा

13 मई की शाम को भारतीय हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने एक ट्वीट से सनसनी मचा दी। उन्होंने हॉकी इंडिया पर आरोप लगाया कि शानदार प्रदर्शन के बावजूद उनसे उनका पद छीना जा रहा है। श्रीजेश को 17 महीने पहले भारतीय जूनियर टीम का मुख्य कोच बनाया गया था। लेकिन पांच बार टीम को पोडियम फिनिश दिलाने और जूनियर वर्ल्ड कप में कांस्य पदक जिताने के बावजूद जब उन्हें कोचिंग पद से हटाया गया तो उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर की। हालांकि, हॉकी इंडिया ने उनके आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम के ब्रॉन्ज मेडल जीतने में पीआर श्रीजेश ने महत्वपूर्ण योगदान दिया था। हालांकि, उसके बाद उन्होंने संन्यास ले लिया। उनके प्रदर्शन को देखते हुए जल्द ही उन्हें जूनियर टीम का मुख्य कोच भी बना दिया गया। उनकी कोचिंग में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और डेढ़ साल के कार्यकाल में पांच बार पोडियम फिनिश किया। श्रीजेश ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, "लगता है कि मेरा कोचिंग करियर डेढ़ साल बाद खत्म हो गया है, जहां मैंने टीम को पांच बार पोडियम फिनिश करने में मदद की। मैंने सुना है कि खराब

प्रदर्शन पर कोचिंग से हटाया जाता है, लेकिन ऐसा पहली बार होगा जब विदेशी कोच की नियुक्ति के लिए मुझे हटाया जा रहा है।" हालांकि, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने उनके आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि श्रीजेश को हटाया नहीं गया, बल्कि उनका कार्यकाल दिसंबर 2025 में ही खत्म हो गया था। इसके बाद चयन प्रक्रिया के लिए नोटिफिकेशन जारी किए गए थे और कुछ नाम चुने गए। नए कोच को चुनने के लिए जरूरी प्रक्रिया का पालन किया गया है।

टीम के साथ नजर नहीं आए हार्दिक

आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस का सफर लगभग खत्म हो चुका है, लेकिन टीम के सामने अब भी अपनी प्रतिष्ठा बचाने की चुनौती बनी हुई है। इसी बीच मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। पंजाब किंग्स के खिलाफ 14 मई को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम में होने वाले मुकाबले से पहले हार्दिक टीम के साथ यात्रा करते नजर नहीं आए, जिसके बाद उनकी फिटनेस और उपलब्धता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बता दें कि हार्दिक पांड्या पिछले दो मुकाबले पीठ में ऐंठन की समस्या के कारण नहीं खेल पाए थे। हालांकि, मुंबई इंडियंस प्रबंधन की ओर से अभी तक उनकी फिटनेस को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। वहीं मौजूद जानकारी के अनुसार हार्दिक ने अपने सामाजिक माध्यम खाते पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह अभ्यास सत्र के दौरान बल्लेबाजी करते दिखाई दिए। इससे यह संकेत जरूर मिला है कि वह धीरे-धीरे फिटनेस हासिल करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। गौरतलब है कि

मुंबई इंडियंस के लिए यह सत्र उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है। कई बड़े खिलाड़ियों के बावजूद टीम लगातार संतुलन तलाशती रही और प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। ऐसे में अब टीम के बाकी मुकाबलों को भविष्य की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। इसी बीच भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी मुंबई इंडियंस को सलाह दी है कि बचे हुए मुकाबलों में युवा खिलाड़ियों को ज्यादा अवसर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि सत्र के इस चरण में वरिष्ठ खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ दे चुके हैं और अब फ्रेंचाइजी को यह समझने की जरूरत है कि युवा खिलाड़ी दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं। सुनील गावस्कर का मानना है कि इससे टीम को अगले सत्र के लिए बेहतर संयोजन तैयार करने में मदद मिलेगी।

अमेरिकी कंटेंट क्रिएटर का वीडियो चर्चा में

पानी के अंदर कछुए ने मारा 'थप्पड़'

एक अमेरिकी कंटेंट क्रिएटर के अंडरवॉटर वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों को खूब हंसाया है. इस वीडियो में एक कछुआ बार-बार उसके चेहरे पर फ्लिपर से 'थप्पड़' मारता नजर आता है, जिससे यह पल काफी मजेदार बन गया.

इस वीडियो को क्रिस्टोफर चांग ने शेयर किया है, जो समुद्र के भीतर डाइविंग और समुद्री जीवों के साथ अपने अनुभवों को रिकॉर्ड करते हैं. वीडियो में वह पानी के अंदर कैमरे के साथ तैरते दिखते हैं और कहते हैं कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस कछुए को क्या हो गया है. यह बार-बार मुझे थप्पड़ मार रहा है. कुछ ही देर बाद वह दोबारा गोता लगाकर दिखाते हैं कि आखिर हो क्या रहा है.

अमेरिका की महिला ने पूरी की आखिरी ख्वाहिश

बहन की हड्डियों से बनवाई 'विंड चाइम'

आज के समय में लोग अपने प्रियजनों को विदा करने के तरीके भी बदल रहे हैं. पहले जहां ज्यादातर लोग अंतिम संस्कार के लिए पारंपरिक तरीके जैसे दफनाना या जलाना अपनाते थे, वहीं अब कुछ लोग इसे ज्यादा व्यक्तिगत और खास बनाने की कोशिश कर रहे हैं.

ऐसा ही एक अनोखा मामला अमेरिका के डेनवर से सामने आया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है. डेनवर में रहने वाली 43 साल की एरिन मेरेली ने अपनी बहन को याद रखने का एक बिल्कुल अलग तरीका अपनाया. उन्होंने अपनी बहन की हड्डियों से एक सुंदर 'विंड चाइम' बनवाई और उसे अपने घर की बालकनी में टांग दिया. यह सुनकर भले ही थोड़ा अजीब लगे, लेकिन इसके पीछे एक खास वजह थी.दरअसल, एरिन की बहन को कला से बहुत लगाव था. मरने से पहले उन्होंने अपनी आखिरी इच्छा एरिन को बताई थी.

लोग अब पारंपरिक दफनाने और दाह संस्कार के साथ-साथ नए और व्यक्तिगत तरीकों को भी अपना रहे हैं। (Photo: AI Generated)

उन्होंने कहा था कि उनकी मौत के बाद उनकी हड्डियों को एक नीली विंड चाइम में बदल दिया जाए. एरिन ने अपनी बहन की इसी इच्छा को पूरा करने का फैसला किया और उसे सच कर दिखाया. इस प्रक्रिया के लिए एरिन ने एक खास तरीका अपनाया, जिसे 'अल्कलाइन हाइड्रोलिसिस' कहा जाता है.

इसे आसान भाषा में समझें तो यह एक तरह का जल-आधारित अंतिम संस्कार है.

इसमें शरीर को पानी और कुछ केमिकल्स की मदद से धीरे-धीरे तोड़ा जाता है. इससे शरीर का हिस्सा एक तरल रूप में बदल जाता है, जिसे पौधों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है.

अमेज़न कर्मचारी ने बताईं वो बातें, जो करियर को पहुंचा सकती हैं नुकसान

ऑफिस में 'ओवरशेयरिंग' पड़ेगी भारी

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बताया गया है कि कुछ बातों को शेयर करने से बचकर काफी हद तक ऑफिस पॉलिटिक्स के जाल से दूर रहा जा सकता है.

हैदराबाद की एक महिला कर्मचारी का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह बताती हैं कि ऑफिस में किन बातों को शेयर करने से बचना चाहिए.

Amazon में काम करने वाली दीपिका ने अपने अनुभव के आधार पर "10 ऐसी बातें" बताई हैं, जिन्हें वह कॉर्पोरेट माहौल में कभी शेयर नहीं करतीं. उनका कहना है कि इन बातों को ऑफिस में किसी से साझा करने पर आप ऑफिस पॉलिटिक्स के जाल में फंस सकते हैं. दीपिका ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि ऑफिस में जरूरत से ज्यादा निजी बातें शेयर करना धीरे-धीरे आपके करियर को नुकसान पहुंचा सकता है. कई बार हमें लगता है कि हम सामान्य बातचीत कर रहे हैं, लेकिन वही बातें आगे चलकर हमारी प्रोफेशनल इमेज को प्रभावित कर सकती हैं.

सैलरी की जानकारी शेयर करने से अक्सर तुलना शुरू हो जाती है (Photo:Insta/@deepika.not.padukone)

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया

इस वीडियो पर कई प्रोफेशनल्स ने अपनी राय दी. कुछ लोगों ने कहा कि उन्होंने भी अपने करियर में ऐसी गलतियां की हैं और बाद में उसका नुकसान उठाया. वहीं कुछ यूजर्स का मानना था कि जरूरी बातों को सही व्यक्ति के साथ शेयर करना भी जरूरी होता है. यह वीडियो बताता है कि कॉर्पोरेट लाइफ में सिर्फ मेहनत ही नहीं, बल्कि समझदारी से बातचीत करना भी उतना ही जरूरी है. हर बात शेयर करना जरूरी नहीं होता. सही सीमाएं तय करना ही करियर को सुरक्षित रखने का एक अहम तरीका है.

दीपिका के मुताबिक, सैलरी की जानकारी शेयर करने से अक्सर तुलना शुरू हो जाती है. इससे ऑफिस में अनावश्यक तनाव और दूरी पैदा होती है और लोग आपको जज करने लगते हैं. ऑफिस की गॉसिप या सहकर्मियों के बारे में नकारात्मक बातें करने से बचना चाहिए. ऐसी बातचीत में शामिल होने से आपकी छवि खराब हो सकती है और लोग आप पर भरोसा कम करने लगते हैं. पर्सनल रिलेशनशिप या घर की समस्याएं ऑफिस में बताने से लोग आपको कम प्रोफेशनल समझ सकते हैं. बेहतर है कि निजी जिंदगी की परेशानियों को ऑफिस से अलग रखा जाए. कभी भी धर्म और राजनीति की बातें करने से बचें.

71 की उम्र में रिटायर्ड टीचर बने वायरल स्टार

क्या सपनों की कोई उम्र होती है? रील और वायरल के दौर में इस सवाल का जवाब है-नहीं. डिजिटल दुनिया ने कई लोगों को एक मंच दिया है, जहां उनके टैलेंट को पहचान मिल रही है. पश्चिम बंगाल के 71 साल के एक रिटायर शिक्षक की कहानी भी कुछ ऐसी ही है. उन्हें युवावस्था से ही सुर और ताल से प्यार था और उन्होंने इस जुनून को हमेशा जिंदा रखा. हालांकि इसकी असली पहचान उन्हें 71 साल की उम्र में मिली.

नेपोटिज्म पर बोले जुनैद खान, कहा- आमिर खान का बेटा होने का मिलता है फायदा

बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर बहस कोई नई नहीं है। हर बार जब किसी स्टार किड की फिल्म फ्लॉप होती है, तो सोशल मीडिया पर यही सवाल उठता है कि आखिर उन्हें लगातार मौके क्यों मिलते रहते हैं। अब खुद आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की है। दिलचस्प बात ये है कि उन्होंने बिना किसी लाग-लपेट के स्वीकार किया कि उनके सरनेम की वजह से उन्हें इंडस्ट्री में फायदा मिलता है। हाल ही में रिलीज हुई जुनैद खान की फिल्मों 'लवयापा' और 'एक दिन' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाईं।दोनों फिल्मों को दर्शकों से ठंडा रिस्पॉन्स मिला लेकिन इन असफलताओं के बावजूद जुनैद के पास फिल्मों की कमी नहीं है। यही वजह है कि उन्होंने अब खुद माना कि स्टार किड होना उनके लिए कई दरवाजे खोल देता है। विक्की ललवानी के साथ इंटरव्यू में जुनैद खान ने फिल्म इंडस्ट्री के काम करने के तरीके पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि निर्माता वही चेहरा चुनते हैं जिसे आसानी से प्रमोट किया जा सके। उनके मुताबिक, फिल्म बनाना सिर्फ कला नहीं बल्कि बिजनेस भी है और यहां मार्केट वैल्यू बहुत मायने रखती है। जुनैद ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अभी दो फ्लॉप फिल्मों के बाद भी उन्हें काम मिल रहा है, इसलिए उन्हें काम करते रहने दिया जाए। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। कुछ लोग उनकी ईमानदारी की तारीफ कर रहे हैं, तो कई यूजर्स इसे बॉलीवुड में फैले भाई-भतीजावाद का खुला उदाहरण बता रहे हैं. जहां कई स्टार किड नेपोटिज्म शब्द सुनते ही असहज हो जाते हैं, वहीं जुनैद ने साफ कहा कि उन्हें इस शब्द से कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने माना कि अगर वो आमिर खान के बेटे नहीं होते, तो शायद उन्हें इतने मौके आसानी से नहीं मिलते. हालांकि जुनैद का ये भी कहना है कि सिर्फ स्टार किड होना काफी नहीं होता. आखिरकार दर्शक वही कलाकार पसंद करते हैं जो स्क्रीन पर असर छोड़ सके। उन्होंने कहा कि किसी भी कलाकार को उसके किरदार के हिसाब से चुना जाना चाहिए, ना कि सिर्फ उसके परिवार या पहचान की वजह से। साई पल्लवी के साथ आई फिल्म 'एक दिन' को लेकर मेकर्स को काफी उम्मीदें थीं लेकिन फिल्म दर्शकों से जुड़ नहीं पाई. खासतौर पर साई पल्लवी की हिंदी और फिल्म की धीमी कहानी को लेकर काफी आलोचना हुई। हालांकि जुनैद ने कहा कि उन्हें इस फिल्म में काम करके काफी मजा आया और पूरी टीम ने दिल से मेहनत की थी। जुनैद ने बताया कि फिल्म के खराब प्रदर्शन से आमिर खान भी निराश जरूर हुए, लेकिन वो ज्यादा देर तक किसी असफलता में नहीं उलझते। वो जल्दी ही अगले काम की तैयारी में लग जाते हैं। यही सीख जुनैद भी अपने पिता से ले रहे हैं।

राहुल गांधी की कथित संपत्ति मामले में हाईकोर्ट सख्त

सीबीआई-ईडी समेत कई एजेंसियों से मांगा जवाब

इलाहाबाद हाईकोर्ट लखनऊ खंडपीठ ने राहुल गांधी की कथित आय से अधिक संपत्ति मामले में केंद्र की जांच एजेंसियों से जवाब तलब किया है।अदालत ने सीबीआई, ईडी और एसएफआईओ समेत संबंधित विभागों को आठ सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट लखनऊ खंडपीठ ने राहुल गांधी की कथित आय से अधिक संपत्ति मामले में केंद्र सरकार की जांच एजेंसियों को नोटिस जारी किया है।अदालत ने सीबीआई, ईडी और एसएफआईओ सहित कई विभागों को आठ सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।मामले की अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी, जहां अदालत पहले याचिका की ग्राह्यता पर फैसला करेगी।इलाहाबाद हाईकोर्ट लखनऊ खंडपीठ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कथित आय से अधिक संपत्ति के मामले में केंद्र सरकार की कई प्रमुख जांच एजेंसियों से जवाब तलब किया है। अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय और गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय समेत अन्य संबंधित विभागों को आठ सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 20 जुलाई को निर्धारित की गई है।यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति जफीर अहमद की खंडपीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी और उनके परिवार की संपत्तियां उनकी घोषित आय से अधिक हैं और इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से कराई जानी चाहिए।सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग और कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय को भी मामले में पक्षकार बनाने की मांग की गई। अदालत ने इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए इन विभागों को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।मामले की सुनवाई के दौरान सीबीआई के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की शिकायत एजेंसी को प्राप्त हो चुकी है और जांच से संबंधित रिपोर्ट अगली तारीख तक दाखिल कर दी जाएगी। वहीं ईडी की ओर से भी अदालत को जानकारी दी गई कि शिकायत मिलने के बाद आरोपों का परीक्षण किया जा रहा है और मामले की प्रगति रिपोर्ट अगली सुनवाई में पेश की जाएगी।खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी भी की कि यदि शिकायत एजेंसियों के पास पहुंच चुकी है, तो संबंधित एजेंसियों का दायित्व है कि वे कानून के अनुसार आरोपों का सत्यापन करें और आवश्यक कार्रवाई करें। वहीं एसएफआईओ की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा गया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए हाईकोर्ट ने याचिका से जुड़े सभी दस्तावेजों और पत्रावली को सीलबंद लिफाफे में सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। अदालत का मानना है कि मामले से जुड़े तथ्यों और दस्तावेजों की गोपनीयता बनाए रखना आवश्यक है।यह मामला अब राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बन गया है। अदालत आगामी सुनवाई में सबसे पहले यह तय करेगी कि याचिका सुनवाई योग्य है या नहीं। इसके बाद ही मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया और संभावित जांच की दिशा तय होगी।

लखनऊ पहुंची चेन्नई की टीम LSG के साथ मुकाबला कल

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

IPL 2026 के अहम मुकाबले के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) की टीम लखनऊ पहुंच गई है। 15 मई को इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) और CSK के बीच मुकाबला खेला जाएगा। प्लेऑफ की दौड़ को देखते हुए यह मैच दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। CSK के खिलाड़ी एयरपोर्ट से सीधे सुशांत गोल्फ सिटी स्थित होटल पहुंचे, जहां पारंपरिक भारतीय अंदाज में उनका स्वागत किया गया। टीम बस से सबसे पहले कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ बाहर निकले। उनके बाद एक-एक कर खिलाड़ी होटल पहुंचे। खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए होटल के बाहर क्रिकेट प्रेमियों की भीड़ जुटी रही। टीम के साथ बल्लेबाज संजू सैमसन, शिवम दुबे, तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज और जेमी ओवरटन भी नजर आए। वहीं टीम के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग भी खिलाड़ियों के साथ पहुंचे। जानकारी के मुताबिक सीएसके गुरुवार शाम इकाना स्टेडियम में अभ्यास सत्र करेगी। हालांकि, महेंद्र सिंह धोनी टीम के साथ नजर नहीं आए, जिससे उनके खेलने को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक धोनी फिलहाल पूरी तरह फिट नहीं हैं और उन्होंने अभ्यास सत्र में भी हिस्सा नहीं लिया। इसी वजह से उनके LSG के खिलाफ मैदान में उतरने पर संशय बना हुआ है। अंक तालिका में निचले पायदान पर पहुंच चुकी लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी मुकाबले से पहले तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार शाम टीम इकाना स्टेडियम पहुंची, जहां कप्तान ऋषभ पंत, एडेन मार्करम और निकोलस पूरन ने नेट्स पर जमकर बल्लेबाजी का अभ्यास किया।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने 18.67 लाख स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटरों को पोस्टपेड मोड में परिवर्तित कर दिया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने अपने अधिकार क्षेत्र के 19 जिलों में लगे 18.67 लाख स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटरों को पोस्टपेड मोड में परिवर्तित कर दिया है। उपभोक्ताओं को मीटर पोस्टपेड होने और बिजली बिल संदेश पहुंचने लगा है। मध्यांचल निगम के तहत लखनऊ, रायबरेली, उन्नाव, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर, वाराबंकी, अयोध्या, बहराइच, गोंडा, श्रावस्ती, बलरामपुर, अंबेडकरनगर, सुल्तानपुर, अमेठी, बरेली, शाहजहांपुर, बदायूं, पीलीभीत जिलों में कुल 19.53 लाख स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के घरों, दुकानों आदि पर लगाए गए थे। इनमें में 18.67 लाख स्मार्ट मीटर को पहले प्रीपेड में तब्दील किया गया था जिन्हें फिर पोस्टपेड कर दिया गया है। इस संबंध में निगम के निदेशक (वाणिज्य) रजत जुनेजा ने बताया कि उपभोक्ताओं को भेजे जा रहे संदेश में बैलेंस रकम का भी उल्लेख है। पूर्वांचल, पश्चिमांचल, केस्को और दक्षिणांचल निगमों में भी उपभोक्ताओं को यह संदेश भेजा जा रहा है। पॉवर कॉर्पोरेशन के मुताबिक मई में उपभोग की गई बिजली का बिल का संदेश 10 जून तक उपभोक्ताओं के पास मोबाइल और व्हाट्सएप पर पहुंच जाएगा। उपभोक्ता स्मार्ट एप से बिल को डाउनलोड कर सकेंगे। आगे भी इसी तर्ज पर उपभोक्ताओं को हर माह की 10 तारीख तक यह बिल सीधे उनके मोबाइल नंबर पर भेजा जाएगा जिससे उन्हें अपने बिजली खपत और भुगतान के बारे में समय पर जानकारी मिल सकेगी।

पॉवर कॉर्पोरेशन की ओर से स्मार्ट प्रीपेड मीटरों की गुणवत्ता की जांच के लिए गठित चार सदस्यीय समिति की कार्यप्रणाली पर उपभोक्ता परिषद ने सवाल उठाया है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि समिति ने विभिन्न कंपनियों के 24 स्मार्ट प्रीपेड मीटरों की मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की परीक्षण प्रयोगशाला (लैब) में जांच की। इसी आधार पर अंतरिम रिपोर्ट तैयार की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) ने मध्यांचल की प्रयोगशाला को जो मान्यता दी है वह सिर्फ साधारण मीटरों के मानकों की जांच के लिए है। इसमें इंडियन स्टैंडर्ड (आईएस) 14697 व 13779 के मीटर आते हैं।

निदेशक गाड़ी छोड़ साइकिल से पहुंचे ऑफिस

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ SGPGI के निदेशक प्रोफेसर आरके धीमन गुरुवार को अपने ऑफिस सरकारी गाड़ी छोड़ साइकिल चलाकर पहुंचे। उनका कहना है कि उन्होंने यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद की है। इस माहौल में संस्थान के हर अधिकारी-कर्मचारी को ढाला जाएगा। पद्मश्री आरके धीमन ने कहा- नका कार्यालय उनके आवास से करीब 600 मीटर की दूरी पर है, इसलिए वह स्वयं भी साइकिल के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रहे हैं। वह कार्यालय से लेकर ओपीडी तक साइकिल से ही जाएंगे। बताया कि जल्द ही संस्थान की ओर से साइकिल रैली निकाली जाएगी, जिसके माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य लाभ और यातायात प्रदूषण कम करने के प्रति जागरूक किया जाएगा। डॉ. धीमान ने बताया कि कैंपस के भीतर रहने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ 3-4 किलोमीटर दूरी पर रहने वाले स्टाफ को भी साइकिल से कार्यालय आने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्हें जहां संभव हो, पैदल चलने या साइकिल से आवागमन को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया है। इस पहल को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान परिसर के प्रमुख स्थानों पर 7-8 साइकिल स्टैंड स्थापित करने की योजना बना रहा है।

केशव मौर्य ने कहा 125 दिन रोजगार गारंटी से गांवों की तस्वीर बदलेगी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विकसित भारत-जीरामजी अधिनियम-2025 ग्रामीण विकास को नई दिशा देगा। इस कानून के लागू होने से गांवों में विकास कार्य स्थानीय जरूरतों के आधार पर तय होंगे और हर ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिन की गारंटी के साथ रोजगार का अधिकार मिलेगा। उन्होंने बुधवार को कहा कि नया अधिनियम एक जुलाई 2026 से लागू होगा। इसके तहत ग्राम सभा और ग्राम पंचायत की सक्रिय भागीदारी से विकास योजनाएं तैयार की जाएंगी। वर्तमान में मनरेगा के तहत 100 दिन रोजगार की व्यवस्था है। नई व्यवस्था में इसे बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। अधिनियम के तहत जल संरक्षण परियोजनाओं, आजीविका से जुड़े कार्य और मौसम की मार से बचाव वाले काम प्राथमिकता में रहेंगे। नई व्यवस्था से श्रमिकों को कोई परेशानी नहीं होगी और वर्तमान कार्य जारी रहेंगे। जिन श्रमिकों का ई केवाईसी पूरा हो चुका है उनके मौजूदा जॉब कार्ड अस्थायी रूप से मान्य रहेंगे। लंबित ई केवाईसी से किसी श्रमिक को रोजगार से वंचित नहीं किया जाएगा।

फूट-फूटकर रोती रहीं अपर्णा यादव

ससुर अरविंद बिष्ट ने प्रतीक यादव को दी मुखाग्नि

शमशान घाट पर माहौल तब और भी गमगीन हो गया जब ससुर अरविंद बिष्ट ने प्रतीक यादव को मुखाग्नि दी। अपने पति को अंतिम विदाई देते समय अपर्णा फूट-फूटकर रोने लगी। घाट पर मौजूद यादव परिवार के सभी सदस्यों और समर्थकों ने भारी मन से प्रतीक

यादव को विदा किया और उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी। उनके ससुर अरविंद बिष्ट जर्नलिस्ट रह चुके हैं। साथ ही सपा सरकार में राज्य सूचना आयुक्त भी थे। प्रतीक यादव की अंतिम यात्रा जब घर से निकली तो सबकी आंखें नम थीं। उनकी पत्नी अपर्णा यादव अपनी दोनों छोटी बेटियों के साथ शमशान घाट पहुंची। अपर्णा यादव अपनी बेटियों को लेकर स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज की कार में सवार होकर घाट तक पहुंची। पिता को खोने का गम बेटियों के चेहरों पर साफ झलक रहा था, जिसे देख वहां मौजूद हर शख्स की आंखें भर आई। प्रतीक यादव का अंतिम संस्कार लखनऊ के बैकुंठधाम शमशान घाट में किया गया है। उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए परिवार और राजनीति से जुड़ी बड़ी हस्तियां वहां पहुंची हैं। अखिलेश यादव, शिवपाल यादव, धर्मेंद्र यादव और अवधेश प्रसाद के साथ-साथ यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी दुख की इस घड़ी में परिवार को सांत्वना देने वहां पहुंचे हैं। उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष और भाजपा नेता अपर्णा यादव पति के निधन से पूरी तरह टूट चुकी हैं। बेहद भावुक नजर आ रही अपर्णा ने अपने करीबियों, दोस्तों और शुभचिंतकों से अपील की है कि वे प्रतीक यादव की अंतिम विदाई में शामिल होकर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दें। इस मुश्किल समय में भाजपा और समाजवादी पार्टी, दोनों ही दलों के बड़े नेताओं ने अपर्णा से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव अपने छोटे भाई प्रतीक के निधन के बाद से ही लगातार परिवार के साथ खड़े हुए हैं। भाई के जाने की खबर मिलते ही अखिलेश तुरंत अस्पताल पहुंचे और तब से लेकर पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार की हर जिम्मेदारी खुद संभाल रहे हैं। अखिलेश यादव ने भरे मन से याद किया कि प्रतीक हमेशा जीवन में कुछ बड़ा करना चाहते थे और अपनी मेहनत से समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाने की कोशिश में जुटे रहते थे।

उन्नाव में बेटी के जन्म पर अनोखा जश्न

9 कारों के काफिले संग घर पहुंची नन्ही लक्ष्मी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में बेटी के जन्म पर एक परिवार ने जश्न में 9 कारों का काफिला निकाला। रोड पर गुब्बारों से सजी गाड़ियां चल रही थीं। ढोल-नगाड़ों की धुन पर परिवार के सदस्य झूमते नजर आए। 11 किलो लड्डू 5 किलो मिठाइयां बांटी। घर पहुंचते ही परिवार की महिलाओं ने बच्ची का आतिशबाजी के साथ ग्रैंड वेलकम किया। बच्ची का जन्म 8 मई को हुआ लेकिन घर वो 14 मई को बैंड-बाजे के साथ पहुंची। पूरे सेलिब्रेशन का वीडियो भी सामने आया है। मामला थाना दही, आवास विकास कॉलोनी के ए-ब्लॉक मोहल्ला का है। थाना दही अंतर्गत आवास विकास कॉलोनी के ए-ब्लॉक में शिवान्शू द्विवेदी रहते हैं। शिवान्शू रेड टेप के शोरूम में सुपरवाइजर का कां करते हैं। उनकी पत्नी अंजली घर पर रहतीं हैं। शिवान्शू तीन भाई में सबसे बड़े है उनकी एक बहन है। वह लंबे समय से बेटी का इंतजार कर रहे थे। 7 दिन पहले बच्ची का जन्म हुआ। शिवान्शू द्विवेदी की पत्नी अंजली को 7 दिन पहले 8 मई को घर से 700 मीटर दूर अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिवान्शू द्विवेदी पहले से ही बेटी चाहते थे। उसी रात पत्नी अंजली ने बच्ची को जन्म दिया। डॉक्टरों ने जैसी ही बेटी होने की खुशखबरी परिवार को दी उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

वहीं, जब अंजली को डिस्चार्ज किया गया, तो परिवार ने ग्रैंड वेलकम का प्लान बनाया। अस्पताल से घर तक 9 कारों का काफिला निकाला गया। सभी गाड़ियों को गुब्बारों से सजाया गया। ढोल-नगाड़ों की थाप, गाड़ियों की लंबी कतार और रास्ते भर नाचते-गाते लोग घर तक पहुंचे। परिवार के सदस्यों ने करीब आधे घंटे तक आतिशबाजी कर जश्न मनाया। एक गाड़ी में शिवान्शू और उनकी पत्नी अंजली बच्ची को लेकर बैठीं, जबकि बाकी गाड़ियों में परिवार और रिश्तेदार थे। गाड़ियों का काफिला घर पहुंचा, तो मोहल्लेवासी भी इस खुशी में शामिल हुए। बेटी के घर आगमन पर मोहल्ले में 5 किलो मिठाई और 11 किलो लड्डू बांटे गए। बच्ची के बाबा शिव भोला द्विवेदी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनके घर लक्ष्मी का आगमन हुआ है। उन्होंने कहा कि बेटियां परिवार की खुशियों और समृद्धि का आधार होती हैं। इस मौके पर शिवांश, शिव सहाय, शिवांक, अंजली और मीनू समेत परिवार के अन्य सदस्यों ने भी उत्सव मनाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। बच्ची के पिता शिवान्शू द्विवेदी ने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा साबित कर रही हैं और किसी भी मायने में बेटों से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पहले समाज में बेटियों को लेकर सोच अलग थी, लेकिन अब समय बदल चुका है। उनके अनुसार बेटी परिवार की शान, सम्मान और खुशियों की पहचान होती है। उन्होंने कहा कि मां, बहन, पत्नी और बेटी के बिना समाज की कल्पना अधूरी है, इसलिए बेटी का जन्म गर्व और उत्सव का विषय होना चाहिए। आसपास के लोगों का कहना था कि उन्नाव जिले में बेटी के जन्म पर इतना भव्य जश्न लंबे समय बाद देखने को मिला है। लोगों ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज की सोच बदलने में अहम भूमिका निभाते हैं। यह संदेश देता है कि बेटियां बोझ नहीं, बल्कि परिवार की सबसे बड़ी खुशी और गर्व का कारण होती हैं।

परिषदीय स्कूलों में 42 दिन में सिर्फ 31,250 नामांकन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। परिषदीय स्कूलों में बच्चों का दाखिला कराने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। एक अप्रैल से शुरू हुए अभियान में अब तक जनपद में 31,250 नए छात्रों का नामांकन हुआ है। कई स्कूल तो ऐसे हैं, जिनमें एक-एक ही नामांकन हुए हैं। अधिकारी इसका कारण शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना में लगी होना बता रहे हैं। उनका दावा है कि दूसरे चरण में नामांकनों की संख्या बढ़ जाएगी। शासन ने प्रत्येक स्कूल को कम से कम पांच नए नामांकन करने के निर्देश दिए थे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 'स्कूल चलो अभियान' चलाया जाना है। नामांकन बढ़ाने और किसी भी दिक्कत से बचने के लिए शासन ने 74,32,500 रुपये का बजट दिया है। इसमें जिला स्तर के कार्यक्रमों के लिए पांच लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त जिले की 16 बीआरसी में प्रत्येक को 10 हजार रुपये और हर स्कूल को 2500 रुपये दिए हैं। हालांकि जिम्मेदारों का कहना है कि शिक्षकों की जनगणना ड्यूटी के कारण नामांकन प्रभावित हुए हैं। शिक्षकों की व्यस्तता के चलते नामांकन रैलियां न के बराबर हो पाई हैं। इससे अभिभावकों से संपर्क साधने में कठिनाई हुई है। इस कारण कई स्कूलों में केवल एक या दो ही नामांकन हो पाए हैं। जिले में 2709 परिषदीय स्कूल हैं। शासन ने प्रत्येक स्कूल को कम से कम पांच नए नामांकन करने के निर्देश दिए थे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 'स्कूल चलो अभियान' चलाया जा रहा है। नामांकन प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए 74,32,500 रुपये का बजट भी आवंटित किया गया है। यह बजट जिला स्तर के कार्यक्रमों, बीआरसी और स्कूलों के लिए वितरित किया गया है।

रेलवे क्रॉसिंग के ट्रैक की मरम्मत लोगों के लिए मुसीबत बन गई

टीवी भारतवर्ष हाथरस

शहर के मुख्य मार्ग पर स्थित आवास विकास कॉलोनी रेलवे क्रॉसिंग के ट्रैक की मरम्मत में रेलवे की सुस्ती शहर के लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। लगातार दो दिन क्रॉसिंग बंद रखने के बाद मंगलवार की रात अस्थायी तौर पर खोला गया लेकिन गिट्टी भरी होने से वाहन फंसते रहे। देर रात एक एंबुलेंस भी फंस गई जिसे जेसीबी से खींचकर निकाला गया। बुधवार को भी फाटक बंद करके काम कराया गया। रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर ने बताया कि बृहस्पतिवार के अलावा शुक्रवार को दोपहर तक क्रॉसिंग बंद रहेगी। रेलवे ने शहर की आवास विकास कॉलोनी रेलवे क्रॉसिंग (संख्या 126) के ट्रैक की मरम्मत कराने के लिए बिना पूर्व सूचना फाटक को सोमवार और मंगलवार को दो दिन के लिए बंद कर दिया। इसके बाद भी ट्रैक मरम्मत का काम पूरा नहीं हो सका। मंगलवार की रात में क्रॉसिंग खोलने के बाद बुधवार सुबह फिर बंद कर काम कराया गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि काम अधिक होने से अभी दो दिन का वक्त और लगेगा। इसलिए बृहस्पतिवार और शुक्रवार को भी रास्ता बंद रहेगा। दूसरी तरफ रेलवे कॉसिंग लगातार तीसरे दिन बंद रहने से लोग परेशान रहे। शहर में एक से दूसरे हिस्से में जाने के लिए पांच किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी नौकरीपेशा, औद्योगिक क्षेत्र सहित अन्य तहसील व ब्लॉक जाने वाले और स्कूली बच्चों को हुई। उन्हें हाईवे के रास्ते से पांच किलोमीटर लंबा चक्कर लगाना पड़ा। जो शॉर्टकट के लिए गली-मोहल्लों के संकरे रास्तों से निकले उन्हें जाम से जूझना पड़ा। शहर का मुख्य मार्ग होने से रायबरेली रूट पर आवास विकास कॉलोनी के पास स्थित इस क्रॉसिंग संख्या 126 की मरम्मत काफी समय से नहीं हो पाई थी। ट्रैक की मरम्मत और पटरी व स्लीपर बदलने में समय लग रहा है। दो दिन में काम पूरा न होने पर ब्लॉक बढ़ाया गया है। शुक्रवार को दोपहर तक काम पूरा कर लिया जाएगा। इस दौरान रात में रास्ता खुला रहेगा। -मुकेश कुमार मीणा, सीनियर सेक्शन इंजीनियर रेलवे।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य लगभग पूरा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उत्तर प्रदेश को जल्द ही एक और आधुनिक एक्सप्रेसवे की सौगात मिलने जा रही है। बहुप्रतीक्षित लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। संभावना है कि 24 मई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्नाव पहुंचकर इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। करीब 63 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे प्रदेश की नई पहचान बनेगा। इसकी एक प्रमुख विशेषता इसका लगभग 18 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड हिस्सा है, जो बनी से लेकर लखनऊ तक निर्मित किया गया है। इसके शुरू होने से लखनऊ से कानपुर की दूरी तय करने में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। पहले जहां करीब दो घंटे लगते थे, वहीं अब यह सफर महज 40 से 45 मिनट में पूरा हो सकेगा। इस एक्सप्रेसवे से आम लोगों को तेज और सुगम यात्रा की सुविधा मिलेगी। साथ ही, औद्योगिक और आर्थिक विकास को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। उन्नाव और आसपास के क्षेत्रों में स्थित एमएसएमई इकाइयां तथा उद्यमियों को बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा, जिससे व्यापार और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों के लिए भी मंडियों तक पहुंच आसान होगी और परिवहन लागत में कमी आएगी। सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी एक्सप्रेसवे को हाइटेक बनाया गया है। पूरे मार्ग पर अत्याधुनिक 3D कैमरे लगाए गए हैं। इनकी मदद से दुर्घटना या किसी भी आपात स्थिति की जानकारी तुरंत एनएचएआई अधिकारियों तक पहुंच सकेगी। इससे घायलों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और यातायात व्यवस्था को भी बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकेगा।

अग्निकांड में चार घर जलकर राख हो गए, बच्ची की मौत

टीवी भारतवर्ष हाथरस

उन्नाव के सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के बाबूपुरवा गांव में गुरुवार को भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में चार घर जलकर राख हो गए और चार वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई। आग से लाखों रुपये का घरेलू सामान भी जल गया। यह घटना परियर चौकी क्षेत्र के अंतर्गत हुई। गांव निवासी रामप्रसाद के घर में अज्ञात कारणों से आग लगी, जिसने देखते ही देखते पड़ोसी झब्बू पुत्र कालीचरण और रामरती पत्नी कालीचरण के घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें उठती देख ग्रामीणों ने निजी संसाधनों से आग बुझाने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक रामप्रसाद की चार वर्षीय बेटी नैना की जलकर मौत हो चुकी थी। अग्निकांड से सभी घरों की गृहस्थी पूरी तरह नष्ट हो गई। अनुमान है कि इस घटना में करीब 25 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक एस एन त्रिपाठी ने बताया कि बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

भावुक एवं प्रेरणादायी पहल कमजोर परिवारों के पांच बच्चों का विद्यालय में प्रवेश कराया गया

हाथरस। इस दौरान कु0 मोहिनी पुत्री श्रीमती राजकुमारी को वी.सी. ज्ञूरिया विद्यालय तथा कु0 काजल पुत्री श्री महेंद्र, गुड़िया पुत्री श्री महेंद्र को प्राथमिक विद्यालय गिजरोली एवं पिंकी पुत्री श्री महेंद्र व सनी पुत्र श्री महेंद्र को उच्च प्राथमिक विद्यालय गिजरौली, जनपद हाथरस में विधिवत प्रवेश दिलाया गया। साथ ही बच्चों को पुस्तकें, कॉपियां, स्कूली ड्रेस एवं अन्य आवश्यक शैक्षिक सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। बच्चों के माता-पिता की आंखों में खुशी और संतोष साफ दिखाई दिया। उन्होंने भावुक होकर बताया कि उनकी वर्षों से इच्छा थी कि उनके बच्चे भी पढ़-लिखकर अच्छा भविष्य बनाएं, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने एवं अन्य पारिवारिक कारणों से वे अपने बच्चों का स्कूल में दाखिला नहीं करा पा रहे थे। पुलिस द्वारा की गई इस मानवीय पहल से पूरे परिवार में खुशी का माहौल है तथा अभिभावकों ने हाथरस पुलिस का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर थानाध्यक्ष महिला थाना रितु तोमर ने बताया कि नव नियुक्त महिला आरक्षी राधिका एवं इच्छिता ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान समाज के वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का संकल्प लिया था। इसी भावना के तहत दोनों महिला आरक्षियों ने स्वयं आगे बढ़कर घुमंतू परिवारों से संपर्क किया, अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरुक किया तथा बच्चों के विद्यालय में प्रवेश की पूरी प्रक्रिया को व्यक्तिगत रुप से संपन्न कराया। उन्होंने कहा कि "पुलिस वर्दी केवल सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशील जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। हमारी कोशिश है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।" इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा महिला थाना टीम के इस सराहनीय एवं मानवीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा गया कि पुलिस का दायित्व केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि समाज के जरुरतमंद एवं वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ना भी है। बच्चों को शिक्षा से जोड़ना समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने टीम को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी एवं संवेदनशील कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

प्रतीक यादव की अंतिम विदाई में छलका दर्द अपर्णा और बेटियों को रोता देख नम हुई आंखें

प्रतीक यादव की अंतिम विदाई के दौरान लखनऊ में भावुक दृश्य देखने को मिला।पत्नी अपर्णा यादव और उनकी दोनों बेटियां पार्थिव शरीर के सामने खुद को संभाल नहीं सकीं।राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर विभिन्न दलों के नेता और हजारों समर्थक अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे।

समाजवादी पार्टी संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के पुत्र और भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव की अंतिम विदाई का दृश्य गुरुवार को हर किसी की आंखें नम कर गया। लखनऊ स्थित आवास पर जब प्रतीक यादव के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया, तब वहां मौजूद हर व्यक्ति भावुक हो उठा। सबसे मार्मिक पल वह था जब पत्नी अपर्णा यादव अपने पति को अंतिम विदाई देते हुए खुद को संभाल नहीं सकीं और फूट-फूटकर रोने लगीं। उनके साथ खड़ी दोनों बेटियां भी पिता के पार्थिव शरीर को देख लगातार बिलखती रहीं। छोटी बेटी बार-बार अपने पिता के चेहरे को एकटक निहारती रही, मानो उसे अभी भी विश्वास न हो रहा हो कि उसके पापा अब इस दुनिया में नहीं रहे।वह कभी अपनी मां अपर्णा यादव से लिपटकर रो पड़ती, तो कभी चुपचाप पिता को देखती रहती। उसकी मासूम आंखों में जैसे एक ही सवाल था- "पापा क्यों चले गए?" वहीं बड़ी बेटी पूरे समय खुद को संभालते हुए मां और छोटी बहन को ढांढस बंधाती नजर आई। हालांकि उसकी आंखों से भी लगातार आंसू बह रहे थे। प्रतीक यादव के पार्थिव शरीर के पास मौजूद हर व्यक्ति भावुक दिखाई दिया।परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, करीबी मित्र और राजनीतिक हस्तियां लगातार पहुंच रही थीं और श्रद्धांजलि अर्पित कर रही थीं। घर के बाहर हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। हर कोई अपने प्रिय नेता और शांत स्वभाव वाले प्रतीक यादव को अंतिम विदाई देने पहुंचा था। महिलाएं रो रही थीं, बुजुर्ग गम में डूबे थे और युवा समर्थकों की आंखों में भी आंसू साफ दिखाई दे रहे थे। पति की अचानक मौत से अपर्णा यादव पूरी तरह टूट चुकी नजर आईं।जब अंतिम यात्रा की तैयारी शुरू हुई तो वह कई बार भावुक होकर रो पड़ीं। करीबी महिलाएं और परिवार के सदस्य उन्हें संभालते रहे, लेकिन पति को अंतिम बार देखकर वह अपने आंसू नहीं रोक सकीं। अपर्णा यादव लगातार प्रतीक यादव के पार्थिव शरीर के पास बैठी रहीं। उनके चेहरे पर गहरा दर्द और सदमा साफ दिखाई दे रहा था। अंतिम यात्रा में कई बड़े राजनीतिक नेता और सामाजिक हस्तियां भी शामिल हुईं। समाजवादी पार्टी और भाजपा दोनों दलों के नेताओं ने परिवार को सांत्वना दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे नीरज सिंह और शिवपाल यादव के बेटे आदित्य यादव ने भी प्रतीक यादव की अर्थी को कंधा देकर श्रद्धांजलि दी। राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सभी दलों के नेता इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े दिखाई दिए। अंतिम विदाई के दौरान सबसे ज्यादा भावुक कर देने वाला दृश्य छोटी बेटी का था।वह अपने पिता के चेहरे को लगातार देखती रही।ऐसा लग रहा था मानो उसे अभी भी उम्मीद हो कि उसके पापा अचानक उठ जाएंगे और उसे अपने गले लगा लेंगे। कभी वह मां के साथ सिसक-सिसक कर रोती, तो कभी चुपचाप खड़ी रह जाती। वह दृश्य वहां मौजूद हर व्यक्ति को अंदर तक झकझोर गया। जहां एक ओर छोटी बेटी पूरी तरह टूट चुकी थी, वहीं बड़ी बेटी ने कठिन समय में खुद को संभालने की कोशिश की। वह लगातार अपनी मां और छोटी बहन को संभालती दिखाई दी। हालांकि उसकी आंखें भी लगातार नम थीं, लेकिन उसने परिवार को मजबूत बनाए रखने की कोशिश की। उसकी परिपक्वता और साहस को देखकर वहां मौजूद लोग भी भावुक हो उठे। प्रतीक यादव का अंतिम संस्कार लखनऊ के भैंसा कुंड स्थित बैकुंठ धाम में पूरे विधि-विधान के साथ किया जाएगा। हजारों की भीड़ के बीच जब उनकी अंतिम यात्रा आगे बढ़ रही थी, तब हर आंख नम और हर चेहरा उदास दिखाई दे रहा था। किसी ने नहीं सोचा था कि इतनी कम उम्र में प्रतीक यादव इस तरह अपने परिवार, पत्नी और मासूम बेटियों को अकेला छोड़कर चले जाएंगे। गुरुवार का यह दृश्य सिर्फ एक अंतिम यात्रा नहीं, बल्कि एक टूटते हुए परिवार के दर्द और बिछड़ने की ऐसी कहानी बन गया, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया।

70KM की रफ्तार वाली आंधी में हवा में उड़ गया युवक

भीषण आंधी ने ऐसा खौफनाक मंजर पैदा कर दिया, जिसे देखकर लोगों की रूह कांप गई। भमोरा थाना क्षेत्र में तेज हवा के बीच एक बारातघर का टिनशेड अचानक आसमान में उड़ गया। टिनशेड को पकड़े खड़ा युवक भी उसके साथ हवा में लटक गया और देखते ही देखते करीब 50 फीट ऊपर पहुंच गया। कुछ सेकंड तक वह हवा में झूलता रहा, फिर दूर खेत में जा गिरा। इस दिल दहला देने वाली घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना भमोरा क्षेत्र के गांव बबियाना की है। यहां करीब 50 वर्षीय नन्हें अंसारी गांव में बने एक बारातघर में खड़े थे। बुधवार दोपहर अचानक मौसम बदला और तेज तूफानी हवाएं चलने लगीं। बारातघर का टिनशेड हिलने लगा तो नन्हें उसे संभालने के लिए उसमें बंधी रस्सी पकड़कर खड़े हो गए। लेकिन अगले ही पल तेज हवा ने पूरा टिनशेड उखाड़ दिया और नन्हें भी उसके साथ हवा में उड़ गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक नन्हें कुछ सेकंड तक हवा में लटके रहे। आसपास मौजूद लोग चीखते-चिल्लाते रह गए, लेकिन कोई कुछ समझ पाता उससे पहले ही वह करीब 80 फीट दूर खेत में जा गिरे। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में नन्हें अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके एक हाथ में फ्रैक्चर हुआ है और शरीर पर भी चोटें आई हैं। आसपास के लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया। नन्हें ने बताया कि उन्हें अंदाजा ही नहीं था कि आंधी इतनी भयानक हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अचानक टिनशेड ऊपर उठने लगा और वह खुद भी हवा में चले गए। रस्सी छूटने के बाद वह खेत में जा गिरे।

10 साल तक ठगों के जाल में फंसकर गंवा दिए 95 लाख रुपये

कानपुर में साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। नजीराबाद थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति से खुद को आरबीआई अधिकारी बताने वाले साइबर ठगों ने करीब 95 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोप है कि ठगों ने लेप्स इंश्योरेंस पॉलिसी का पैसा वापस दिलाने का झांसा देकर पीड़ित को करीब 10 साल तक अपने जाल में फंसाए रखा। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नवीननगर निवासी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2008 से 2012 के बीच कई बीमा पॉलिसियां कराई थीं। किस्तें जमा न होने के कारण पॉलिसियां लेप्स हो गईं। बाद में जब उन्होंने पॉलिसी का पैसा वापस पाने की कोशिश की तो इंटरनेट पर आरबीआई हेल्पलाइन नंबर खोजा। फोन करने पर उनकी बातचीत एक व्यक्ति से हुई, जिसने खुद को पंकज सिंह बताते हुए आरबीआई का अधिकारी बताया। आरोपी ने कहा कि लेप्स पॉलिसी का पैसा आरबीआई के नियंत्रण में है और प्रक्रिया पूरी होने पर रकम वापस मिल जाएगी। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने ईमेल के जरिए पॉलिसी डिटेल, आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक संबंधी जानकारी मांगी। दस्तावेज भेजने के कुछ समय बाद ही बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से दो फरवरी 2017 को दो बार में 10 लाख रुपये और चार फरवरी 2017 को 1.14 लाख रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित को न तो किसी ट्रांजेक्शन की जानकारी मिली और न ही मोबाइल पर कोई संदेश आया। बाद में आरोपी ने दावा किया कि पैसा हैक हो गया है और उसे वापस दिलाने के लिए अलग-अलग शुल्क जमा करने होंगे। आरोपियों ने कोड चार्ज, फाइल एक्टिवेशन, टैक्स और समय सीमा बढ़ाने जैसे कई बहाने बनाकर लगातार पैसे जमा कराए। पीड़ित के अनुसार वर्ष 2021 से अब तक वह करीब 95 लाख रुपये यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एक खाते में जमा कर चुके हैं, लेकिन न तो पैसा वापस मिला और न ही भुगतान प्रक्रिया पूरी हुई।

अस्पताल बना मंडप, आईसीयू में भरी मांग

बदकिस्मती भरे एक हादसे से मद्धम पड़ती खुशियों की रौनक को दो परिवारों की आपसी समझ और जज्बातों ने नई रंगत दे दी। शादी के दिन हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद आईसीयू में पड़ी दुल्हन की मांग भावनाओं के सिंदूर से सजाकर दूल्हे ने एक नई मिसाल पेश की। बुधवार को दुल्हन के दरवाजे पर द्वारपूजा और अन्य रस्में पूरी करने के बाद दूल्हा अस्पताल पहुंचा सात जन्मों तक साथ निभाने का वचन दिया। बांसगांव के हटवार गांव की रहने वाली पूजा यादव का रिश्ता परिवार के लोगों ने महादेवा बाजार के महुआ निवासी सन्नी यादव से तय किया था। नवंबर 2025 में यह रिश्ता तय होने के बाद 13 मई को शादी के लिए पूजा के घर बरात आनी थी। घर में मंगल गीत गूंज रहे थे। नई जिंदगी के सपने संजोए पूजा एलएलबी अंतिम सेमेस्टर की अपनी परीक्षा देने भाई के साथ खलीलाबाद स्थित कॉलेज के लिए निकली तो परिवार की महिलाओं ने हंसी-ठिठोली करते हुए बलाएं उतारी थीं। बदकिस्मती भरे एक हादसे से मद्धम पड़ती खुशियों की रौनक को दो परिवारों की आपसी समझ और जज्बातों ने नई रंगत दे दी। शादी के दिन हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद आईसीयू में पड़ी दुल्हन की मांग भावनाओं के सिंदूर से सजाकर दूल्हे ने एक नई मिसाल पेश की। बुधवार को दुल्हन के दरवाजे पर द्वारपूजा और अन्य रस्में पूरी करने के बाद दूल्हा अस्पताल पहुंचा सात जन्मों तक साथ निभाने का वचन दिया। बांसगांव के हटवार गांव की रहने वाली पूजा यादव का रिश्ता परिवार के लोगों ने महादेवा बाजार के महुआ निवासी सन्नी यादव से तय किया था। नवंबर 2025 में यह रिश्ता तय होने के बाद 13 मई को शादी के लिए पूजा के घर बरात आनी थी। घर में मंगल गीत गूंज रहे थे। नई जिंदगी के सपने संजोए पूजा एलएलबी अंतिम सेमेस्टर की अपनी परीक्षा देने भाई के साथ खलीलाबाद स्थित कॉलेज के लिए निकली तो परिवार की महिलाओं ने हंसी-ठिठोली करते हुए बलाएं उतारी थीं।